उप्र में आया 13,372 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश

- कानून-व्यवस्था व कनेक्टिविटी में सुधार से निवेशक आकर्षित
- जीबीसी में 3,700 करोड़ रुपये का निवेश आने की संभावना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था, इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा कनेक्टिविटी में सुधार के चलते 13,372 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) आया है, जबकि ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) में 3,700 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश आने की संभावना सरकार ने जताई है। यही वजह है कि जीबीसी की तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है।

योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री बनने के बाद प्रदेश की कानून-व्यवस्था से लेकर इन्फ्रास्ट्रक्चर व कनेक्टिविटी में काफी सुधार किया है। इसके चलते ही प्रदेश में विदेशी निवेश को प्रोत्साहन मिला है। वर्ष 2017 से वर्ष 2022 के बीच लगभग 10 हजार करोड़ रुपये का विदेशी निवेश प्रदेश में आया था। वहीं वर्ष 2023 में अब तक 3,372 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश धरातल पर उतारा जा चुका है। अगली जीबीसी में 3,700 करोड़ रुपये के एफडीआइ आने की संभावना है।

उप्र में निवेश करने वाली प्रमुख विदेशी कंपनियां : इंवेस्ट यूपी के डेटा के अनुसार प्रमुख विदेशी निवेशकों में सैमसंग (दक्षिण कोरिया), माइक्रोसाफ्ट (यूएसए), उबर (यूएसए), पेप्सिको (यूएसए), फेयरफाक्स (यूएसए), हिंदुस्तान यूनिलीवर (यूके), एबी मौरी (यूके), एयर लिक्विड (फ्रांस), सिफी (यूएसए), एसटीटी ग्लोबल (सिंगापुर), एनटीटी (जापान), लुलु ग्रुप (यूएई), वीवो (चीन), हायर (चीन), होलीटेक (चीन), सनवोडा (चीन), लुआचुआंग एलसीई (चीन)।

परियोजनाओं के विस्तार से मिलेगा रोजगार : प्रमुख विदेशी निवेशक परियोजनाओं का विस्तार भी कर रहे हैं। इनमें यूके की कंपनी सस्टीन लि. मुजफ्फरनगर में 500 करोड़ के निवेश से सस्टेनेबल प्रोटीन परियोजना स्थापित करने जा रही है। इससे 100 लोगों को रोजगार भी उपलब्ध होगा। यूएई का शराफ ग्रुप कानपुर में 1250 करोड़ की लागत से लाजिस्टिक पार्क की स्थापना की तैयारी कर रहा है। इससे 1250 लोगों को रोजगार मिलेगा। यूएसए की पेरोस्फीयर इंडिया गौतमबुद्धनगर में 570 करोड़ के निवेश से नोवेल कोगुलोमीटर प्रणाली से संबंधित प्रोजेक्ट लगाएगा। इससे 225 लोगों को रोजगार मिलेगा। यूएसए की ई-कुबेर वेंचर्स द्वारा श्रावस्ती में फार्महाउस और इको टूरिज्म पर 82 करोड़ का निवेश होगा। इससे 500 लोगों को रोजगार मिलेगा। सिंगापुर की इंटरनेशनल ट्रेडर्स और इन्वेस्टर्स पीटीई लि. लखनऊ में फूड प्रोसेसिंग प्रोजेक्ट पर 50 करोड़ निवेश करेगी, जिससे 200 लोगों को रोजगार मिलेगा। आस्ट्रेलिया की एसजीसी सिटी सेंटर डेवलपर्स पीटीवाई लि. सिद्धार्थ नगर में 25 करोड़ से आइटी पार्क बनाएगी, जिससे 100 लोगों को रोजगार मिलेगा। स्विट्जरलैंड की एडटिंगो इंटरनेशनल (बिग हाट्र्स) आगरा में 330 करोड़ से फूड प्रोसेसिंग प्लांट लगाएगी, जिसमें 800 रोजगार उपलब्ध होंगे।

जमीन पर उतरेंगी 7 .5 लाख करोड़ की 10 हजार से ज्यादा परियोजनाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रदेश सरकार को प्राप्त निवेश प्रस्ताव अब धरातल पर उतरते दिखाई दे रहे हैं। इसी कड़ी में लगभग 7 .5 लाख करोड़ रुपये की 10,441 परियोजनाएं कार्यान्वयन के अंतिम चरणों में पहुंच चुकी हैं। ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह के माध्यम से जल्द ही इन्हें जमीन पर उतारा जाएगा। निवेश सारथी पोर्टल के माध्यम से सरकार को अब तक 39 .5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के 29 हजार निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

उत्तर प्रदेश में निवेशकों ने 2017 से 2022 के बीच विभिन्न स्रोतों के माध्यम से लगभग 4 .12 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है। योगी सरकार ने 2018 में आयोजित यूपी इन्वेस्टर्स समिट में 4 .28 लाख करोड़ रुपये के 1045 निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए थे। इन प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए सरकार की ओर से प्रदेश में तीन ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह का आयोजन किया गया। वर्ष 2018 में आयोजित पहले ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह में लगभग 61,000 करोड़ रुपये की 81 परियोजनाओं को धरातल पर उतारा गया। वहीं, 2019 में दूसरे ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह के जरिये 65,000 करोड़ रुपये के निवेश की 250 से अधिक परियोजनाओं को शुरू किया गया। वर्ष 2022 में तीसरे ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह के माध्यम से 80,000 करोड़ रुपये के निवेश की 1400 से अधिक परियोजनाओं को अमली जामा पहनाया गया। इसके अलावा औद्योगिक विकास प्राधिकरणों द्वारा लगभग 95,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को प्रारंभ कराया गया है। वर्ष 2017 से 2022 के बीच यूपी में 5 .20 लाख एमएसएमई इकाइयां स्थापित की गई हैं, जिसमें 67,600 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है।